

सम्पादकीय

तामिलनाडु और भाजपा

दक्षिण के राज्य राष्ट्रीय पार्टीयां से हमेसा दूरी बनाए रखते हैं और अपनी द्रविण संस्कृति को बचाये रखने के लिये तामिलनाडु के महात्माओं की रुचि रही है केन्द्र राज्य में घुसपैठ कर अपना वर्चय बनाने की कोशिश करेरा। मोदी इस बार दक्षिण के राज्यों में चुनाव प्रचार में काफ़ी समय दे रहे हैं और जी तोड़ मेहरात कर रहे हैं। इस बार मोदी ने राज्य के भाजपा अपना वर्चय लाठीयों के लिये इस बार मोदी ने राज्य के भाजपा अध्यक्ष जो संघर्ष का चुनाव लड़ रहे हैं उनको पूरी स्वतन्त्रता दे रखती है। 39 सीटों वाले राज्य में कोयबद्ध से लड़ रहे अन्नामलार्वा ने एक समाचार पत्र को बताया है कि पार्टी इस बार दो अंकों में सीटें जीती हैं और बाकी सीटों में नम्बर दो पर रही हैं। दक्षिण के राज्य खासकर तामिलनाडु मोदी का 400 पार का सपना पूरा करने में इस बार अहम रोल निभा सकती है। भाजपा को विश्वास है इस बार द्रविण संस्कृति की मजबूत दिवाल को भाजपा अपने मित्रवंत व्यापारों से और राज्य पार्टी पर अपना वर्चय स्थानों के अधिगोष्य से बचा कर भेज सकती है। यह मोदी के नेतृत्व के चमकाकर होगा अगर ऐसा हो पाता है।

मोदी यहां के लोगों को विश्वास दिलाने में लगे हुए है कि उनकी सरकार और पार्टी केन्द्र से उन पर शासन करने की नीति से अलग हटकर संविधान में दिये गये संघटक सरकार के अंदरों पर चल तामिल वासियों सहित सभी राज्यों के पूर्व स्वतन्त्रा और सहभागिता दें। तामिलनाडु में 1967 से अब तक राज्यों द्वारा कोई और आईडीआईएम को बीच ही आती जीती रही है। मोदी आजपा को इस बार यह सचित राज्यों को एक बड़े जल संकट के ओर ले जाती है। भारत में 150 प्रमुख जलाशयों में कूल जल भंडारण पर खत्मन का भ्रम किया गया था और अपने वर्चय स्थानों के बचाये रखने की अलगाव आयमा देगा। तामिलनाडु में अप्रैल में मतदान होगा। देखना है मोदी मतदाता का बह भ्रम किया गया पाने में सफल होते हैं कि बाहरी पार्टीयों जीती संस्कृति को नहीं देंगे।

भाजपा यह भ्रम मिटाने में लगी है कि उनकी पार्टी सेंट्रल इंजिंग पार्टी है। इसलिये राज्य अध्यक्ष को प्री-हैन्ड दे रखता है। भाजपा कैप्चरीबू को लेकर कागिस और डीएमके पर भारी हमला लोले हुये है। एआई डीएमके से भारतीय गवर्नर करना चाहीती थी। पार इस समय भाजपा राज्य अध्यक्ष एआईडीएमके पर सख्त हमला करने में लगे हुए है। जो दर्शक है भाजपा राज्य में अन्नावरक घुसपैठ के अपनी इमेज को खोता करना चाहती है। यहां हिन्दू बोलने वालों को स्थानीय निवासी शका की दृष्टि से देखते हैं कि वे उनके पुनर्नी संस्कृति को नहीं करने में लगे हैं। इसे मिटाने के लिये तामिल भाषा और तामिल संस्कृति को टकराहट से बचाने में लगे हुए है। इसके लिये तामिलनाडु के अंथरीमरुर शिलालेख जो 1000 साल पुराना है प्रजातन्त्र का लेख है। काशी तामिल संगम सदियों पुराने संस्कृतों का उत्कृष्ण कर रहे हैं। सबसे अहम है नये संसद भवन के डिज्टान में प्राचीन चौल पावर का सिम्बल सेनोरों को प्रमुख स्थान देना। चौंगोल का प्रभाव यहां के राजनीति में प्रमुख रहा है। अब मतदाता बतायेंगे मोदी और भाजपा का कितना प्रभाव तामिलनाडु पर पड़ा है।



ललित गर्ग

भर के जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक की गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिरावट की अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में बढ़ा गया था - एक अंकड़े देश

जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक

गिर

